

हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 12 अगस्त 2026, समय 13:05 (5 मिनट))

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणराज्य की विजय: मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। यह आत्मकथा श्री कोविंद के उल्लेखनीय जीवन सफर का एक व्यक्तिगत विवरण प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में राम नाथ कोविंद का मार्गदर्शन उनके लिए शक्ति का एक बड़ा स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि श्री कोविंद की आत्मकथा न केवल उनके जीवन, व्यक्तित्व और योगदानों की जानकारी प्रदान करेगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और समाज के लिए एक विरासत भी बनेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी, राम नाथ कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करना जारी रखे हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने युवा पीढ़ी से राम नाथ कोविंद के जीवन की कहानी उन्हीं के शब्दों में जानने और उनके लेखन और अनुभवों

को पढ़ने का आग्रह किया।

इस अवसर पर श्री कोविंद ने कहा कि राजनीति केवल सत्ता हासिल करने का साधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सेवा करने का एक साधन है।

हरियाणा की स्वास्थ्य तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने नागरिकों से अपील की है कि वे बीमारियों के इलाज के लिए पारंपरिक एवं प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को प्राथमिकता दें ताकि स्वास्थ्य समस्याओं को जड़ से समाप्त किया जा सके।

मीडिया को जारी एक विज्ञप्ति में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली और दैनिक तौर-तरीकों के कारण उत्पन्न हो रही बीमारियों के चलते न केवल भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों का रुझान आयुष पद्धतियों आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी की ओर तेजी से बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। इसी दिशा में सरकार ने राज्य में 4 बड़े आयुर्वेदिक अस्पताल संचालित किए हैं। जिनमें कुरुक्षेत्र में 100

बिस्तरीय, भिवानी में 25 बिस्तरीय, चरखी दादरी के गांव इमलोटा में 10 बिस्तरीय और नारनौल में 100 बिस्तरीय अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा पलवल के सिहोल में 1 यूनानी अस्पताल और अंबाला के चांदपुरा में एक होम्योपैथिक अस्पताल स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि आयुष ांचे का दायरा केवल बड़े अस्पतालों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि प्राथमिक और सूक्ष्म स्तर पर भी इसका व्यापक प्रसार किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि वर्तमान में जिला अस्पतालों में 21 आयुष विंग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 102 आयुष आईपीडी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 106 आयुष ओपीडी के माध्यम से नागरिकों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। इनमें से अधिकांश संस्थान ग्रामीण व दुर्गम इलाकों में कार्यरत हैं।

हरियाणा क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी के अध्यक्ष समीर पाल सरो ने नई दिल्ली स्थित क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने बताया कि बैठक में हरियाणा में गुणवत्ता आश्वासन की व्यवस्था को और मजबूत करने, गुणवत्ता के प्रति संस्थागत संस्कृति विकसित करने तथा इंजीनियरिंग संरचना के क्षेत्र में गुणवत्ता मानकों के प्रभावी अनुपालन को लेकर

विस्तृत चर्चा हुई। इसके अलावा सड़कों, भवनों, पुलों और अन्य सार्वजनिक उपयोग की संरचनाओं में गुणवत्ता जांच की मौजूदा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने तथा आधुनिक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों को अपनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान क्षमता निर्माण, नई तकनीकों के उपयोग और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के माध्यम से गुणवत्ता निगरानी तथा परियोजनाओं की कार्यक्षमता और दीर्घकालिक रखरखाव को बेहतर बनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

श्री समीर पाल सरो ने बताया कि दोनों संस्थाओं की साझेदारी के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग और प्रभावी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने पर भी विचार किया गया।

